

दीक्षायाश्चायं नमः सर्वमिदं कृतं त्रियं नमः यदि
वक्रस्तुतं हवन्तु नमः सर्वमना पुनः ॥

नमः सर्वमना

नमः सर्वमना
नमः सर्वमना
नमः सर्वमना
नमः सर्वमना

नमः सर्वमना

१॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ सुदस्यन्दि तसा नुच नन्दन वर्यदा वृत्तिव भद्रमा दूर्ध्वार्धयानि सु
लतस्मत्रकथं सन्द दद नुवुदी। ला ला न वि त ला च न स य ल क डानु कु नृ त्य ल न
या वृत्ता सूत्र तं मूद प्रसव ता मा स्मि मृजानीय तं ॥ नृपि व ॥ स रानु ॥ सूत्र व ल म ना
नू स न ति ग्र सा हि ला सौ द सा ति न्दा वि न्दू मृ शि ग्र स त कि मू न त्रा न्दा रु व न्दा म र्व
॥ १॥ नृ ना थ गि वा न रु ॥ ध र द ह ॥ व क र वा न्दा रु ॥ मा नि न्दा ॥ क र व म्भ न मि न य न
स्मा दि ष्ट सि ष्ठी स ता ॥ ना न्द नू सू र धा व ॥ नृ ल म ति वि रु प्र वा ॥ नृ य वा ॥ हा स्य प्र सू ट

पीयूषवर्णवदनमधनषुल्याकंदर्पसर्पयनिदहसुखविदग्धसितप्रियत्वनिगमा
गमनीविधाह॥प्रविश्यनदी॥नृकुंडलुत्तमान्निर्दम्यकुहालिउत्तुसमाददलिन्नृदग्निहवन्
लीपसादीकत्रीभृद॥सू३॥आययय॥आ॥सुप्रसन्नकिंकाकिलकलक्षानानिकूंजाकनगु
दीताडमया॥समूक्तमनसवृत्तनियुष्ठावली॥स्य॥सिंहाविगमसिकापनिमल॥धीरुत्तुवा
यवहृदिर्लंकनकनालयसिंहावकाकंवसुकादय॥भृन्मत्र॥दृष्टान्यथ॥मधुनभृनिरि
न्रैवाकामधाययदिवमृपाधविकालनर्थ॥आलिंयवृत्तमसरुक्तकलकल्यार्थ॥तूनप्रसूनय

[illegible]

परं यत्र धनं कष्टं न के घाम ली का का क स्य व लान्न क न न मिता वा र्थं य दी यं भूता त स्य
 दा दिय त ४ समा गति त्रि ह स्ता र्द्ध न यु क्तं प्रिय ॥ त दि ता नि शु क्ता न्द्र ग क्ता व र्त्ति ति
 शु का को प्र सा व ना ॥ ॥ त त ४ प्र वि दा ति सा नू व ना नू च ति न न य सि धू ॥ अ दा दू द व
 क स म दा न न नि क न रु र्द्ध न न नी न दा ना र्थि दि र्नि धू व न वि ती न म न सा कि य क्ता र्त्ति
 यो न प त्रि च र्वा न क ता र्त्ति प्र स्म ति ॥ प्र का र्त्ति ॥ अ य व त्र प्र ष अ य थ र्थ वा दि न नि नू य
 ये त न्म लु र्त्ति ॥ व त्र ॥ र्द्ध दं डा अ दा व दि र्ति नि शु क्ता स म क्ता द व लो क य न ४ प्र वि द्य नू र्थं

कर्तुमसमपीयडवे ॥ दवजादोदमलुलनरुसी ॥ नाकाकथया ॥ चत्रवित्रकालनृविवाप्रस्त
 उमलुलसववववात्राश्रुर्तुगदाहि ॥ नाकासकोधं कृत ॥ वत्र ॥ सस्तुतमात्रिहयपति ॥
 दवयत ॥ श्रुतिगानिनिजा ॥ क्षांयत्रवधं हिलाऊना ॥ सांप्रतं नीवासाधूसिवन्युपानहम
 हासुजाप्लातिष्ठति ॥ वदकं द्विजमन्युनितवसति वीजाविहीनाऊना ॥ मलुलनवपत्री
 ह्यमधिकं जातमहाह्वयन ॥ मृन्यु ॥ नात्रीतान्नयनश्च ननऊद्यनसिंहप्रहामुतिनं सीम
 नमलिनृपुत्रोपदये ॥ नाकापिनेवश्च ॥ वकाऊमतिर्मज्जीनवत्रलाकावीकलोनाध

४

श्रुतिगानिनिजा ॥ अपिवा ॥ सुनोदुलोनिपतिनो कामसंश्राममदितो ॥ वत्रलाद
 कृतयादिव ॥ वधु ॥ सस्मिर्त ॥ लाक्षावदडास ॥ कृकलहांकुनादि ॥ ला
 लाकावप्रकाश ॥ सत्रैसस्मितवा ॥ मृतकृवमर्तवा ॥ दौह ॥ तवाद्यत ॥ ना
 नतटे ॥ बालैवतनुम्वत्री ॥ श्रुतिगलपत्रा ॥ तना ॥ तविकुर्वैपुल्युह ॥ नैय
 विलासवसति ॥ लो ॥ लकलाहाविनी ॥ मृपिवा ॥ खलखंडन ॥ नैय ॥ पापनि
 स्यापीतारुंगलयाध ॥ नित्रकनरुन ॥ नवा ॥ ला ॥ स ॥ म ॥ ध्या ॥ स

[illegible]